vkj- ,u- vkbZ- ua- UPHIN/2010/32566 Mkd- iath;u- l[;k& SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक

हर ख़बर पर पैनी नज़र

o"kZ % 10 vad % 48 y[kuÅ] 'kfuokj 28 ekpZ ls 06 vizSy] 2020 rd i`"B&8 eY; % ,d :i;k

रेपो रेट ५.१५ फीसदी से घटकर ४.४५ फीसदी पर आया

ईएमआइ दे रहे लोगों को ३ महीने तक के राहत की सलाह

नई दिल्ली। लॉकडाउन के बीच देश की इकोन मी को बूस्ट देने के लिए सरकार की ओर से लगातार प्रयास किए जा रहे हैं. इसी के तहत रिजर्व बैंक ने भी राहत के दरवाजे खोल दिए हैं. आरबीआई ने रेपो रेट में ७५ बेसिस प्वाइंट की कटौती की है. इस कटौती के बाद रेपो रेट ५.१५ से घटकर ४.४५ फीसदी पर आ गई है.वहीं बैंकों से लोन की ईएमआई दे रहे लोगों को ३ महीने तक के राहत की सलाह दी है. यहां बता दें कि आरबीआई ने आदेश नहीं, सिर्फ सलाह दी है. कहने का मतलब ये घ्है कि अब गेंद बैंकों के पाले में है. आसान भाषा में समझें तो बैंकों को अब तय करना है कि वो आम लोगों को ईएमआई पर छूट दे रहे हैं या नहीं. इसके साथ ही बैंक ही ये तय करेंगे कि वो कौन से लोन पर ईएमआई की छूट दे रहे हैं. मतलब ये कि रिटेल, कमर्शियल या अन्य तरह के लोन लेने वाले लोगों के लिए अब भी एक तरह का कन्फ्यूजन बना हुआ है बहरहाल, आरबीआई की रेपो रेट कटौती का फैसला ऐतिहासिक है. यह कटौती आरबीआई इतिहास

की सबसे बड़ी है. बता दें कि बीते दो मौद्रिक समीक्षा बैठक में आरबीआई ने रेपो रेट को लेकर कोई फैसला नहीं लिया था. रेपो रेट कटौती का फायदा होम, कार या अन्य तरह के लोन सहित कई तरह के ईएमआई भरने वाले करोड़ों लोगों को मिलने की उम्मीद है. इसके साथ ही नए लोन लेने वाले ग्राहकों को भी फायदा मिलेगा. इसके साथ ही आरबीआई ने रिवर्स रेपो रेट में भी ६० बेसिस प्वाइंट कटौती करते हुए ४ फीसदी कर दी है. हालांकि, आरबीआई ने जीडीपी ग्रोथ रेट और महंगाई रेट को लेकर आंकड़े नहीं जारी किए हैं ये पहली बार है जब आरबीआई ने आंकड़े पेश नहीं किए हैं. आरबीआई गवर्नर ने बताया कि कैश रिजर्व रेशियो (ब्त्) में १०० बेसिस प्वाइंट की कटौती करके ३ प्रतिशत कर दिया गया है. यह एक साल तक की अवधि के लिए किया गया है. आरबीआई गवर्नर के मुताबिक सभी कमर्शियल बैंकों को ब्याज और कर्ज अदा करने में ३ महीने की छूट दी जा रही है. इस फैसले से ३.७४ लाख करोड़ रुपये की नकदी सिस्टम में आएगी. आरबीआई गवर्नर ने इसके साथ ही लोगों से डिजिटल बैंकिंग की सलाह दी है.उन्होंने साथ ही ये भी कहा कि बैंकिंग सिस्टम सुरक्षित और मजबूत है।

रिजर्व बैंक ने अर्थव्यवस्था को बचाने के लिए उठाया बड़ा कदम : मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि नीतिगत दरों में कटौती , तीन महीने तक ऋण की किश्तों की वसूली नहीं करने और कार्यशील पूंजी पर ब्याज की वूसली तीन माह तक टालने का निर्णय कोरोना वायरस के प्रभावों से अर्थव्यवस्था को बचाने के लिए उठाया गया बड़ा कदम है। मोदी ने रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की तीन दिनों की आज समाप्त बैठक के बाद एक ट्विट कर कहा है कि केन्द्रीय बैंक के इस निर्णय से तरतला में सुधार होने के साथ ही पूंजी की लागत कम होगी और मध्यम वर्ग तथा कारोबारियों को मदद मिलेगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सभी तरह के ऋण के किश्तों की तीन महीने तक वसूली टालने और कार्यशील पूंजी पर इस दौरान ब्याज की वसूली से राहत देने के रिजर्व बैंक के निर्णय की सराहना करते हुये कहा कि नीतिगत दरों में की गयी कटौती का लाभ ग्राहकों को तत्काल दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांता दास का यह बयान स्वागत योग्य

है कि भारतीय अर्थव्यवस्था की नींव वर्ष २००८–०६ के वैश्विक आर्थिक संकट से भी अधिक मजबूत है। सूचना एवं प्रसारण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने रिजर्व बैंक के निर्णय पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये कहा कि नीतिगत दरों में कमी किये जाने कारोबारियो और उद्यमियों पर ब्याज का बोझ कम होगा तथा इससे आर्थिक गतिविधियों को बल मिलेगा।

लॉकडाउन के दौरान भी खुली रहेंगी खाद–बीज, कीटनाशकों की दुकानें

अद्भुत समाचार नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार ने प्रदेश के किसानों को बड़ी राहत दी है। लॉकडाउन के दौरान भी खाद–बीज, कीटनाशकों की थोक और फुटकर दुकानें पहले की तरह खुली रहेंगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर शासन द्वारा इस संबंध में सभी मंडलायुक्तों, डीएम, एसएसपी और एसपी को निर्देश जारी किये गए हैं। सुचारू रूप से इनकी आपूर्ति जारी रहे इसके लिए इनको बनाने वाली कंपनियों, लोडिंग एवं अनलोडिंग में लगे श्रमिकों और इनके परिवहन में लगे वाहन भी छूट के दायरे में आएंगे। इसी तरह की छूट कटाई में प्रयुक्त कंबाईन हार्वेस्टर और इस दौरान जरूरी श्रमिकों पर भी

होगी। मालूम हो कि इस साल फरवरी–मार्च के अप्रत्याशित मौसम की मार से यूं ही किसान परेशान हैं। मौजूदा समय में उनकी सरसों, आलू, मटर और चना की फसलें या तो खेत में हैं या खलिहान में हैं। गेहूं की फसल भी तैयार होने को है। ऐसे में किसानों को ये चिंता थी कि लॉकडाउन की स्थिति में हम अपनी उपज को कैसे घर सुरक्षित पहुंचाएं। चिंता उन किसानों को भी थी जो इस समय खाली हुए या होने वाले खेत में खरीफ के पूर्व कम समय में होने वाली उड़द, मूंग और पशुओं के लिए हरे चारे की बुआई करते हैं। सरकार के इस फैसले से परंपरागत किसानों के साथ सब्जी बोने वाले किसानों को भी राहत मिली है।

कोरोना के कहर के बीच बारिश से किसानों को भारी नुकसान, गेहूं, चना और मटर की खड़ी फसलें बर्बाद

अखिलेश दुबे

लखनऊ। कोरोना वायरस के प्रकोप के बीच ही प्रेंति की मार भी बुरी तरह से किसानों पर पड़ रही है। शुक्रवार को तेज हवाओं के साथ हुई बारिश से खेतों में पकी खड़ी लाखों हेक्टेयर फसल को भारी नुकसान हुआ है। कृषि विभाग ने फसलों को हुए नुकसान के सर्वे के निर्देश दे दिए हैं। अधिकारियों का भी मानना है कि यह बारिश किसानों के लिए बड़ी विपदा से कम नहीं है। प्रदेश में १३० लाख हेक्टेयर जमीन में रबी की फसलें ली जाती हैं। इनमें गेहूं मुख्य फसल है, जिसका कुल रकबा ६६ लाख हेक्टेयर है। इस तरह से चना ६ लाख हेक्टेयर, मटर, मसूर व अरहर ४–४ लाख हेक्टेयर और राई–सरसों ८ लाख हेक्टेयर में खड़ी है। ये सभी फसलें पूरी तरह तैयार हैं खेतों में गिर गया खड़ा गेहूं शुक्रवार को बारिश और तेज हवाओं ने इन फसलों को भारी नुकसान पहुंचाया है। खेतों में खड़ा गेहूं गिर गया है। अब इसके दोबारा खड़े होने की संभावना न के बराबर है, क्योंकि पकने के स्तर पर पहुंचे गेहूं के पौधे गिरने के बाद फिर खड़े नहीं हो पाते हैं अधिकांश दाने सड़ जाते हैं। इसी तरह चना, मटर, मसूर और राई–सरसों को भी हवा–बारिश ने प्रभावित किया है। अरहर की फसल कटने में अभी थोड़ा वक्त है, लेकिन बारिश और हवा ने इसके फूल को काफी नुकसान पहुंचाया है। इससे इसका भी उत्पादन बुरी तरह प्रभावित होगा। इस बारे में संपर्क किए जाने पर अपर कृषि निदेशक, सांख्यिकी राजेश गुप्ता ने कहा कि शुक्रवार की बारिश से फसलों को नुकसान हुआ है। इसके आकलन के लिए जिलों से सूचना मांगी जा रही है।

अब कनिका की चौथी रिपोर्ट भी पॉजिटिव

लखनऊ। बॉलीवुड सिंगर कनिका कपूर में कोरोना वायरस बरकरार है। आठवें दिन भी उन्हें बीमारी से छुटकारा नहीं मिला है। उनमें वायरस का लोड बना हुआ है। वहीं शुक्रवार को भी लखनऊ में कोरोना संक्रमित कोई नया मरीज नहीं मिला है। इससे स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ–साथ शहरवासियों ने भी राहत की सांस ली है। लंदन से लौटीं कनिका का जश्न देशभर में छा गया। होम क्वारंटाइन नियमों की धज्जियां उड़ाकर हाई प्रोफाइल पार्टीयां कीं। तबियत खराब होने पर १६ मार्च को शालीमार गैलंट आवास से उनका सैंपल कलेक्शन किया गया। केजीएमयू में २० मार्च को जांच में कोरोना वायरस की पुष्टि हुई। इसके बाद हड़कंच मच गया। उनके संपर्क में आए मंत्री, सांसद अभी भी होम क्वारंटाइन में हैं। इसके बाद पीजीआइ में दो और टेस्ट किए गए। सभी में रिपोर्ट पॉजिटिव आई। अब शुक्रवार को कनिका की अब तक कि चौथी रिपोर्ट आई। इसमें भी उनके शरीर में वायरस की पुष्टि हुई है। कनिका की केजीएमयू में एक व पीजीआइ में तीन जांचें हो चुकी हैं। डॉक्टर उनकी सेहत पर नजर बनाए गए हैं। हालत स्थिर है।केजीएमयू में कुल ५६ टेस्ट किए गए। सभी निगेटिव आए हैं।

सम्पादकीय

कोरोना वायरस से बचने के लिए अब ये ही एक मात्र रास्ता

प्रधानमंत्री ने जनता कर्फ्यू की अपील के साथ भारत में लॉकडाउन हो चुका है। जो सफल रहा। वैसे यही कहा जाएगा कि यह जरूरी कदम है। कोरोना वायरस से बचने के लिए अब ये ही एक मात्र रास्ता है। मगर महज इतना करना पर्याप्त नहीं है। ये बात डब्लूएचओ ने भी कही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) के मुताबिक ल कडाउन हटने के बाद वायरस तेजी से फैले इसके लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य के उपाए किए जाने जरूरी हैं। देशों को सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर और दुरुस्त करने की जरूरत है। डब्लूएचओ की इस चेतावनी को उन देशों के लिए महत्त्वपूर्ण है, जहां सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था बेहद खराब स्थिति में है। डब्लूएचओ के विशेषज्ञों के मुताबिक जरूरत ऐसे लोगों को ढूंढने पर जोर देने की है, जो वायरस से संक्रमित हैं। हमें उन्हें अलग–थलग (आइसोलेट) करने की जरूरत है। ऐसे लोगों को ढूंढकर उन्हें अलग करने और उन पर विशेष ध्यान देने की जरूरत होगी। ये तो साफ है कि अगर हमारी सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाएं बेहतर नहीं होंगी, तो ल कडाउन हटने के बाद खतरा बढ़ेगा और वायरस तेजी से फैलेगा। गौरतलब है कि चीन और कई यूरोपीय देशों और अमेरिका के बाद भारत ने भी कोरोना वायरस से निपटने के लिए नए प्रतिबंध लगाए हैं। ज्यादातार लोगों को घरों से काम करने को कहा जा रहा है। स्कूल, बार, पब और रेस्तरां बंद कर दिए गए हैं। बहरहाल, चर्चा में सिंगापुर और दक्षिण कोरिया के उदाहरण हैं। ये देश यूरोप के लिए एक म डल साबित हो रहे हैं। वायरस के फैलाव को नियंत्रित करने के बाद हमें वायरस के खिलाफ बड़ी लड़ाई लड़नी होगी और उन देशों ने ऐसा करने की मिसाल पेश की है। विश्व में कोरोना से सर्वाधिक इटली प्रभावित हुआ है। इस रोग को लेकर आतंक इसलिए फैला है, क्योंकि कोरोना वायरस की कोई दवा या टीका नहीं है। इसके कई वैक्सीन पर विकसित देशों में प्रयोग चल रहा है, लेकिन अभी तक सिर्फ एक वैक्सीन का ही अमेरिका में परीक्षण शुरू हुआ है। डब्लूएचओ का कहना है कि वैक्सीन उपलब्ध होने के मामले में यथार्थवादी होने की जरूरत है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि यह बिल्कुल सुरक्षित हो। इसमें कम से कम एक साल भी लग सकता है। तब तक सोशल डिस्टेंसिंग एक रास्ता है।

सीएम योगी ने किया कम्युनिटी किचन का निरीक्षण

लखनऊ। कोरोना वायरस के संक्रमण पर अंकुश लगाने के साथ ही ल कडाउन में जनता को राहत देने के लिए हर मोर्चा पर डटे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को लखनऊ में कम्युनिटी किचन का निरीक्षण किया। इसी किचन में मजदूरों के साथ गरीबों के लिए भोजन बनाया जा रहा है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने भोजन का स्वाद भी लिया। इससे पहले अपने सरकारी आवास पर बैठक में उन्होंने किसान की समस्या को देखते हुए खाद तथा बीज की दुकानों को खोलने का भी निर्देश दिया।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को लॉकडाउन में मजदूर तथा गरीब के भोजन की चिंता है। ल कडाउन के दौरान उन्होंने राजधानी लखनऊ के साथ ही हर जिले में कम्युनिटी किचन खोलने का निर्देश दिया है। जिससे गरीबों को पका भोजन मिल सके। लखनऊ के जियामऊ में उन्होंने आज कम्युनिटी

किचन का निरीक्षण करने के साथ ही भोजन का लुत्फ भी उठाया। यहां उन्होंने कम्युनिटी किचन का निरीक्षण किया। इस दौरान सीएम ने वितरण के प्रॉसेस से संबंधित जरुरी निर्देश दिए और पूरी व्यवस्था की खुद जांच की। इसके साथ ही उन्होंने लखनऊ के डीएम अभिषेक प्रकाश को हर स्तर पर मुस्तैद रहने की सलाह भी दी। प्रदेश सरकार प्रदेश के सभी जिलों में इस तरह के कम्युनिटी किचन स्थापित कर रही है।

सपा के कद्दावर नेता बेनी प्रसाद वर्मा का हुआ निधन

राकेश पाण्डेय निश्छल

लखनऊ। सपा के कद्दावर नेता बेनी प्रसाद वर्मा का निधन हो गया वो लंबे समय से बीमार चल रहे थे राज्यसभा सांसद बेनी प्रसाद वर्मा, बेनी प्रसाद वर्मा के निधन की खबर से समाजवादी पार्टी में शोक की लहर। पूर्व केंद्रीय मंत्री और समाजवादी पार्टी के कद्दावर नेता बेनी प्रसाद वर्मा का शुक्रवार को लखनऊ में निधन हो गया। ७६ वर्षीय बेनी प्रसाद लंबे समय से अस्वस्थ चल रहे थे और आखिरकार आज उन्होंने लखनऊ के एक अस्पताल में अंतिम सांस ली। वह राज्यसभा से सांसद थे और इस वर्ष उनका कार्यकाल समाप्त होने वाला था। समाजवादी पार्टी ने इसकी जानकारी देते हुए ट्वीट कर बताया कि सपा के वरिष्ठ नेता, राज्यसभा सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री आदरणीय बेनी प्रसाद वर्मा एवं हम सबके प्रिय 'बाबू जी' जी का निधन अपूरणीय क्षति है। शोकाकुल परिजनों के प्रति संवेदना! शत–शत नमन एवं अश्रुपूर्ण श्रद्धांजलि। उनके निधन की खबर मिलते ही राजनीतिक

गलियारों में शोक की लहर दौड़ गई है। सभी नेतागढ़ लखनऊ पहुंच गए हैं। फिलहाल बेनी प्रसाद वर्मा के शव को मेंदांता अस्पताल में रखा गया है। बेनी प्रसाद वर्मा समाजवादी पार्टी के संस्थापक और देश के दिग्गज नेताओं में शुमार किये जाते थे। वह वर्तमान में समाजवादी पार्टी से राज्यसभा सांसद थे। वह उत्तर प्रदेश के कुर्मी समाज के सर्वमान्य नेता माने जाते थे। यूपीए २ सरकार में बेनी प्रसाद वर्मा केन्द्रीय इस्पात मंत्री थे। उनका जन्म ११ फरवरी १९४१ को उत्तरप्रदेश के बाराबंकी जिले के सिरौली में हुआ था। पिता का नाम मोहनलाल वर्मा और माता रामकली वर्मा था। बेनी का विवाह १९५६ में मालती देवी से हुआ। उनके ३ बेटे और २ बेटियां हैं। शुरुआती पढ़ाई बेनी की बाराबंकी से ही हुई इसके बाद उन्होंने लखनऊ विश्वविद्यालय से बीए और एलएलबी की पढ़ाई पूरी की। पढ़ाई के बाद वह सीधे राजनीति में आ गए। लंबे समय तक उत्तर प्रदेश राज्य में पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट मंत्री के रूप में कार्य करते रहे। पहली बार १९९२ में उत्तर प्रदेश के कैसरगंज से लोकसभा का चुनाव जीतकर कैबिनेट मंत्री बने।

मोहनलालगंज की जनता गंभीर नही

ऋिद्धिमा

लखनऊ। कोरोना जैसी महामारी जहां विश्व में अपना आतंक ढा रही है। वही राजधानी लखनऊ के मोहन लाल गंज की जनता इस महामारी को लेकर गंभीर नजर नहीं आ रही है। जानलेवा कोरोना वायरस को लेकर कल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूरे देश को २१ दिनों तक लार्ड अ न करने का ऐलान किया था आज लॉक डाउन का दूसरा दिन है पहले ही दिन लॉक डाउन को लेकर के मोहनलालगंज की जनता गंभीर नही दिखे बेवजह लोग सड़कों पर घूमते नजर आए। हालांकि मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के प्रभारी निरीक्षक गऊदीन शुक्ला ने लगातार लोगों से अपने घरों में रहने की अपील कर रहे है इसके बावजूद भी लोग मानने को तैयार नहीं है बेवजह सड़कों पर घूम रहे हैं वही आवश्यक वस्तु किराना की दुकान पर भी अच्छी खासी लोगों की भीड़ दिखाई दी तो कोतवाली प्रभारी निरीक्षक गऊदीन शुक्ला ने किराना दुकान पर गोला खींच कर दूर रहने की हिदायत दी ।

राजधानी में लॉक डाउन का दिख रहा है असर, ३ दिनों में कोई भी नहीं मिला कोरोनावायरस पॉजिटिव

राकेश पाण्डेय निश्छल

लखनऊ। लखनऊ में ३ दिनों में कोई भी नहीं मिला कोरोना वायरस पॉजिटिव मरीज। सड़कों पर लगातार लॉक डाउन का पालन करने के लिए लोगों को लखनऊ पुलिस कर रही है जागरूक लखनऊ पुलिस का सराहनीय कदम। लखनऊ के उत्तरी क्षेत्र में डीसीपी उत्तर सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी के नेतृत्व में लगातार सभी थानों अंतर्गत पुलिस पूरी तरह से मुस्तैद। कमिश्नरी सिस्टम में पुलिस के आला अधिकारी सड़कों पर है डीसीपी उत्तरी सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी सुबह से ही उत्तरी क्षेत्र में सड़कों पर उतर कर खुद सभी थानों की मॉनिटरिंग करते हैं और हालात का जायजा लेते हैं। अलीगंज, हसनगंज, मड़ियांव जानकीपुरम इंदिरा नगर गाजीपुर समेत सभी थानों का डीसीपी उत्तरी सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी करते हैं निरीक्षण लगातार उत्तरी क्षेत्र में ल क डाउन का हो रहा है पालन आईटी चौराहा, कपूरथला इंजीनियरिंग कॉलेज,

जानकीपुरम गुडंबा समेत सभी थानों अंतर्गत बाहर निकलने वाले लोगों से होती है पूछताछ पुलिस समझा–बुझाकर भेज रही है घर तीसरे दिन सुबह से ही उत्तरी क्षेत्र में दिख रहा पूरी तरह से लॉक डाउन का असर। प्रदेश में अब ४६ पॉजिटिव केस हैं, इनमें सर्वाधिक १८ मरीज नोएडा के हैं। प्रदेश में अब तक कोरोना पॉजिटिव जो मरीज सामने आए हैं, उनमें सर्वाधिक १८ संक्रमित नोएडा के हैं। आगरा के ६, लखनऊ के आठ, गाजियाबाद के पांच, पीलीभीत के दो, जबकि लखीमपुर खीरी, बागपत, मुरादाबाद, वाराणसी, कानपुर, जौनपुर व शामली के एक–एक मरीज शामिल हैं।

उत्तर प्रदेश में लॉकडाउन के दौरान उल्लंघन करने वालों के खिलाफ अब तक कुल ३७१० एफआईआर दर्ज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में अभूतपूर्व लॉकडाउन के दौरान पुलिस गड़बड़ी करने वालों से पूरी सख्ती से निपट रही है, फिर भी कुछ लोग सारे

किए–कराए पर पानी फेरने का काम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी सभी लोगों से अपील की है कि वे जहां भी हैं वहीं प्रवास न करें, इसके बावजूद लोग सड़कों पर आ रहे हैं। अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) अवनीश अवस्थी ने बताया कि लॉकडाउन का उल्लंघन करने वाले लोगों के खिलाफ शुक्रवार तक कुल ३७१० एफआईआर दर्ज की गई हैं।

योगी सरकार का कोरोना से जंग जीतने के लिए मुकम्मल ऐक्शन प्लान तैयार

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ने कोरोना से जंग जीतने के लिए मुकम्मल ऐक्शन प्लान तैयार किया है। इसके लिए शीर्ष अधिकारियों की १२ कमेटियों का गठन किया गया है। मुख्यमंत्री कार्यालय खुद आइजीआरएस, सीएम हेल्पलाइन के जरिए सभी कमेटियों के काम की निगरानी के साथ उनमें समन्वय स्थापित करने का काम करेगा। सभी कमेटियां दिन–रात चौबीसो घंटे पूरे हालात पर नजर रखेंगी। इसके साथ ही कोविड १६ की टेस्टिंग, स्क्रीनिंग व अन्य सुविधाओं के लिए विधायक निधि की गाइड लाइन में संशोधन का आदेश भी जारी कर दिया गया है। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को कहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के जरिए प्रदेश की ६० हजार ग्राम पंचायतों के साथ संपर्क में है। हम हर संदिग्ध को ट्रैक कर रहे हैं। जरूरत के अनुसार उनको आइसोलेट कर निगरानी कर रहे हैं। रोजमर्रा की जरूरत की चीजों की किसी को कमी न हो इसके लिए युद्ध स्तर पर काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी प्राथमिकता में समाज का वह तबका है जो रोज कमाता और खाता है। साथ ही वह भी जिनको काम के दिन के अनुसार वेतन मिलता है। रोज कमाने–खाने वाले तबके में निर्माण कार्य में लगे श्रमिक, पटरी व्यवसायी, ठेले, खोमचे, रेहड़ी और रिक्शा चालक आदि आते हैं। इन सबके खाते में एक–एक हजार रुपये भेजे जा रहे हैं। नियोजकों को निर्देश दिया गया है कि वह किसी के वेतन में कटौती न करें। मुख्यमंत्री योगी ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिया है कि गरीब तबके के जो लोग अब तक इस लाभ से वंचित हैं उनको एक हजार रुपये के साथ खाद्यान्न भी उपलब्ध कराएं। लोगों के व्यापक हित में पुलिस और प्रशासन मिल कर ल कडाउन को प्रभावी बनाएं। साथ ही कालाबाजारी और जमाखोरी के खिलाफ पूरी सख्ती बरतें। कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ मुख्यमंत्री ने सख्त कार्यवाही के निर्देश देते हुए कहा कि आवश्यकता पड़े तो इनके खिलाफ एनएसए के तहत कार्यवाही भी की जाए। इस दौरान शहर से लेकर गांव और सरकारी संस्थाओं खासकर पुलिस थाने, जेल, पुलिस लाइन और पुलिस प्रशिक्षण केंद्रों में शुद्ध पानी, सफाई और सेनिटाइजेशन की मुकम्मल व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाएगी। स्वास्थ्य सेवाओं की निगरानी के लिए एक अलग कमेटी बनायी गयी है। अब तक ११ हजार से अधिक आइसोलेशन बेड तैयार हो चुके हैं। कोरोना के जांच की सुविधा लगातार बढ़ाया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ल कडाउन में सहयोग करने को लेकर प्रदेश वासियों का अभिनंदन किया है। उन्होंने सफाई, स्वास्थ्य और पुलिस समेत सभी उन कर्मचारियों का आभार जताया है जो इस संकट की घड़ी में संयुक्त रूप से बेहतर काम कर रहे हैं। सरकार ने कोविड–१६ की टेस्टिंग, स्क्रीनिंग व अन्य सुविधाओं के लिए विधायक निधि की गाइड लाइन में संशोधन का शासनादेश जारी कर दिया है। जिसे प्रमुख सचिव ग्राम्य विकास ने सभी जिले के डीएम को भेज दिया है। विधायक

निधि की धनराशि की संस्तुति को जिला स्तर पर ही चिकित्सा व स्वास्थ्य विभाग को उपलब्ध करवाया जाएगा। कोरोना वायरस के संक्रमण को देखते हुए प्रदेश में ३०,००० लोगों की निगरानी और उनकी मानटरिंग की जा रही है। ख्यमंत्री ने कहा है कि पशुओं को चारे की किल्लत न हो, दूध की आपूर्ति बनी रहे। हर घर तक दूध और रोजमर्रा के जरूरत के सामना पहुंचाना भी सरकार सुनिश्चित कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों की आलू, सरसों, मटर, चना की फसल तैयार है। गेहूं भी तैयार होने को है। अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वह इनके खरीद और भंडारण की भी उचित व्यवस्था कराएं। कोराना के खिलाफ इस जंग में ध्यान की कमी नहीं होने दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज कोरोना के खिलाफ इस जंग में गरीबों को केंद्र में रखकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस पैकेज की घोषणा की है वह भविष्य में पूरी दुनिया के लिए नजीर बनेगा। उन्होंने जनता से अपील की कि वह ल कडाउन का पालन करें। इससे होने वाली तात्कालिक तकलीफ आप सबके और देश की सुरक्षा के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। जनता का इसी तरह सहयोग रहा तो यकीनन हम कोरोना के खिलाफ यह जंग जीत कर रहेंगे। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि हम जानते हैं कि कोरोना के कारण उत्पन्न मौजूदा हालात से प्रदेश की अर्थव्यवस्था पर बुरा असर पड़ेगा। ओलावृष्टि और लाकडाउन के दौरान हुई क्षति को देखते हुए अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए अपर मुख्य सचिव वित्त की अध्यक्षता में एक कमेटी का गठन किया है। इसमें प्रमुख सचिव ेषि और प्रमुख सचिव खाद्य को शामिल किया गया है। यह कमेटी आर्थिक रूप से सहयोग के लिए एक योजना तैयार करेगी। साथ ही गेंहू और आलू की फसल के नुकसान का भी आकलन करेगी। इस असर को न्यूनतम रखते हुए हालात सामान्य होते ही यथा शीघ्र इसकी भरपाई कैसे की जाय इस बाबत रणनीति तैयार की जाएगी। उधर, लोकभवन में प्रेस कांफ्रेंस के दौरान मुख्य सचिव गृह एवं सूचना अवनीश कुमार अवस्थी ने कहा है कि प्रदेश में ४२ कोरोना मरीजों में से ११ लोग ठीक हो गए हैं, जिन्हें डिस्चार्ज किया जा चुका है। प्रदेश में ८ टेस्टिंग लैब में काम शुरू हो गया है। उन्होंने बताया कि एक लाख से अधिक फूड पैकेट तैयार किए गए हैं। २०,००० गाड़ियों से १५ लाख लीटर दूध को घर–घर वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश मुख्यमंत्री ने दिए हैं। प्रदेश में हर सरकारी वाहन पर पब्लिक एड्रेस सिस्टम लागू किया जा रहा है। अन्य प्रदेशों से जो मजदूर और कर्मचारी लोग चलकर आ रहे हैं, उनके लिए संबंधित जिले में रहने और भोजन की व्यवस्था की जा रही है। खासतौर से सीमा वाले जिलों के डीएम और पुलिस अधिकारियों को मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया है कि लोगों के रुकने, रहने और खाने का समुचित प्रबंध करें। प्रदेश में पुलिस ने २८०२ एफआईआर धारा १८८ के उल्लंघन में दर्ज की है। ८६४६ लोगों का चालान किया गया है। अब तक २.८६ लाख वाहनों की चेकिंग की गई है। आवश्यक वस्तुओं को घर–घर तक पहुंचाने के लिए प्रदेश में १८५७० मोबाइल वैन और हाथगाड़ी व ठेला मुहैया करवाया गया है। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन १०७६ के माध्यम से ३०,१२५ ग्राम प्रधानों से फोन पर संपर्क किया है। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के सभी जिलों के जिलाधिकारी और पुलिस अधिकारी को निर्देश दिया है कि संयुक्त रूप से अपने–अपने जिलों में पेट्रोलिंग करें। रैन–बसेरा और अन्य आश्रय स्थलों पर खान–पान सामग्री की कमी न होने पाए। उन्होंने कहा कि आगरा, वाराणसी और लखनऊ में कम्युनिटी किचन शुरू हो गया है। इसके साथ ही जो भी संस्था या संगठन कम्युनिटी किचन शुरू करना चाहते हैं, वे अपने जिले के जिला अधिकारी को आवेदन कर सकते हैं।

प्रदेश के विभिन्न तीर्थ स्थानों पर फंसे तीर्थ यात्रियों के लिए भोजनव्यवस्था सुनिश्चित की जाए :योगी

राकेश पाण्डेय निश्छल

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कोरोना लॉक डाउन के दृष्टिगत प्रदेश के बॉर्डर पर पैदल आ रहे अन्य राज्यों को पैदल जाने वाले मजदूरों व कर्मकारों के लिए मानवीय आधार पर विशेष व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने मुख्य सचिव, अपर मुख्य सचिव गृह, पुलिस महानिदेशक, प्रमुख सचिव परिवहन तथा प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री को निर्देशित किया है कि मानवीय आधार पर ऐसे व्यक्तियों के लिए भोजन व पानी की व्यवस्था की जाए और स्वास्थ्य सम्बन्धी पूरी सावधानी बरतते हुए इन लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा जाए। मुख्यमंत्री जी ने बिहार के उप मुख्यमंत्री श्री सुशील कुमार मोदी को आश्वस्त किया कि बिहार राज्य

जाने वाले ऐसे सभी व्यक्तियों का पूरा ख्याल रखा जाएगा और इन व्यक्तियों को सुरक्षित उनके गन्तव्य स्थल तक भेजा जाएगा। उन्होंने उत्तराखण्ड राज्य के मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत को भी आश्वस्त किया कि उत्तराखण्ड निवासी सभी लोगों के भोजन व संरक्षण की व्यवस्था की जाएगी। मुख्यमंत्री जी ने लॉक डाउन को दृष्टिगत रखते हुए हरियाणा राज्य के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल से वार्ता कर हरियाणा में उत्तर प्रदेश के निवासियों के लिए उनके प्रदेश में यथा स्थान ठहरने और भोजन आदि की व्यवस्था करने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री जी ने यह भी निर्देश दिए कि वाराणसी सहित प्रदेश के विभिन्न तीर्थ स्थानों पर फंसे अन्य राज्यों यथा गुजरात आदि के तीर्थ यात्रियों के लिए भी भोजन व सुरक्षा आदि की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

लॉकडाउन बगैर योजना के लागू किया गया : कांग्रेस

नई दिल्ली। शहरों में फंसे हजारों नागरिकों और उनमें से कई लोगों को अपने घरों को लौटने के लिए बगैर भोजन और विश्राम किए लंबी पैदल यात्रा करते देख कांग्रेस ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि सरकार रिवर्स माइग्रेशन को नियंत्रित करने में असमर्थ है। पार्टी ने कहा है कि उचित योजना के बिना लॉकडाउन लगाया गया है, जिसके कारण नागरिकों, विशेष रूप से प्रवासी मजदूरों को दिन–प्रतिदिन के जीवन में अत्यधिक कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। कांग्रेस ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर कहा है निलंबित परिवहन, बाधित आपूर्ति श्रृंखला, पुलिस और सक्रिय विशेष लोगों को सही जानकारी न होना, बगर योजना के लागू ल कडाउन के परिणाम हैं। कई लोग विभिन्न शहरों में फंस गए और अपनी मनचाही जगहों पर नहीं जा पाए, पार्टी ने सरकार से इस पर गौर करने का आग्रह किया है। इस बीच, उत्तर प्रदेश सरकार ने फंसे हुए लोगों के लिए एक हेल्पलाइन नंबर दिया है। पार्टी ने आरोप लगाया है कि सरकार ने तैयारी करने के लिए मिले उस समय को बर्बाद कर दिया, जब कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने फरवरी के शुरू में ही इस मुद्दे पर सरकार को आगाह किया था। कांग्रेस ने ट्वीट किया भाजपा की योजना की कमी ने हजारों लोगों को भूखे और बेघर कर दिया है। सरकार को देशव्यापी लॉकडाउन लागू करने से पहले लोगों की मदद करने के लिए एक लक्षित योजना के साथ सामने आना चाहिए था। सरकार ने जरूरतमंदों और गरीबों की मदद के लिए कई घोषणाएं की हैं और १.७ लाख करोड़ रुपए के राहत पैकेज की घोषणा की है। लेकिन पार्टी का कहना है कि यह ऐसे समय में 'बहुत कम' है जब मांग अधिक है। कांग्रेस प्रवक्ता जयवीर शेरगिल ने कहा कि सरकार का कोविड–१६ आर्थिक पैकेज ऊंट के मुंह में जीरा है। १३५ करोड़ की अबादी के लिए २२.५ अरब डॉलर पर्याप्त नहीं है, जबकि ५८ लाख की आबादी वाले सिंगापुर ने ३३ अरब डॉलर दिए हैं।

मस्जिद में एक साथ नमाज पढ़ने गए ८ लोग गिरफ्तार

अयोध्या। लॉकडाउन नियम तोड़ने वाले लोगों पर पटरंगा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। मना करने के बावजूद नमाज के लिए मस्जिद पर भीड़ लगाने वाले आठ लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस का कहना है कि मना करने के बावजूद मखदूमपुर गांव के कुछ लोग समूह बनाकर मस्जिद के बाहर इकट्ठा थे। पटरंगा थानाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह पुलिस बल के साथ लाकडाउन के पालन के लिए गश्त पर निकले थे। इसी दौरान मखदूमपुर के समीप एक मस्जिद से दर्जन भर लोग समूह बनाकर निकल रहे थे। पुलिस टीम को देखकर यह लोग मौके से भागे लेकिन इतने में पुलिस ने आठ लोगों को पकड़ लिया। एसओ संतोष कुमार सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आठों व्यक्ति के विरुद्ध धारा–३ महामारी अधिनियम १८६७ व धारा–५१ आपदा प्रबंधन अधिनियम २००५ के तहत धारा २६६, २७१ व १८८ आईपीसी के तहत मुकदमा दर्ज कर जेल भेजा जा रहा है।

बिहार पत्रकार सम्मान पेंशन योजना का शुभारंभ

सौरभ कुमार

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज बिहार पत्रकार सम्मान पेंशन योजना का शुभारंभ किया। कुमार ने यहां एक, अण्णे मार्ग स्थित नेक संवाद में बिहार पत्रकार सम्मान पेंशन योजना का शुभारंभ किया है। बिहार पत्रकार सम्मान पेंशन योजना नियमावली– २०१६ के तहत कुल ४८ पत्रकारों को वर्तमान अवधि में पेंशन देने की स्वींति दी गयी है। इनमें से ४० पत्रकारों को १४ नवंबर २०१६ के प्रभाव से, पांच पत्रकारों को ०६ मार्च २०२० के प्रभाव से तथा शेष तीन पत्रकारों को १६ मार्च २०२० के प्रभाव से पेंशन स्वीकृत किया गया है। इस पेंशन योजना के तहत प्रत्येक पत्रकार को हर महीने ६००० रुपये पेंशन दिया जाएगा। १४ नवंबर २०१६ से ३० नवंबर २०१६ तक के लिए पेंशन की राशि प्रतिमाह छः हजार रुपये की दर

के आधार पर ३४०० रुपये प्रति पत्रकार दिया जाएगा। कुल ४० पत्रकारों को नवंबर के लिए कुल राशि एक लाख छत्तीस हजार रुपये मात्र भुगतान किया जा रहा है। सभी ४० पत्रकारों को दिसम्बर २०१६, जनवरी एवं फरवरी २०२० के लिए ६००० रुपये प्रति माह प्रति पत्रकार की दर से की कुल ७२०००० रुपये मात्र का भुगतान किया जा रहा है। ०६ मार्च २०२० के प्रभाव से स्वींत पांच पत्रकारों को पेंशन की राशि का भुगतान अगले एक माह पूर्ण होने के बाद शुरू किया जाएगा। वहीं, १६ मार्च २०२० के प्रभाव से स्वींत तीन पत्रकारों को पेंशन की राशि का भुगतान अगले एक माह पूर्ण होने के बाद प्रारंभ किया जायेगा। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी, विधानसभा अध्यक्ष विजय कुमार चौधरी, स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय, ृषि मंत्री प्रेम कुमार, जल संसाधन मंत्री संजय कुमार झा, मुख्य सचिव दीपक कुमार, पुलिस महानिदेशक गुप्तेश्वर पांडेय सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

पाकिस्तान में कोरोना का फैलाव रोकने को कई इलाके सील

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की संघीय और प्रांतीय सरकारों ने उन क्षेत्रों को सील करने का फैसला किया है, जहां कोरोना वायरस के नए मामले सामने आए

हैं। पाकिस्तान में १०० से अधिक मामलों में संक्रमितों की संख्या बढ़कर १,१६३ हो गई है। मीडिया को यह जानकारी शुक्रवार को दी गई। डॉन खबर के मुताबिक कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों को देखते हुए इस्लामाबाद में भारा काहू, चक शहजाद और रामशा क लोनी सादिकबाद के कुछ हिस्से, ढोक कश्मीरी का एक हिस्सा और रावलपिंडी में सैटेलाइट टाउन का बी ब्लॉक, चरसदा में सोहावा और मंगा गांव के पास मोहरा अकराह को बंद कर दिया गया है। माल वाहक गाड़ियों को छोड़कर, राजमार्गों और मोटरमार्गों पर सभी वाहनों को प्रतिबंधित कर दिया गया है। स्वास्थ्य मामले के प्रधानमंत्री के विशेष सहायक जफर मिर्जा ने राष्ट्रीय समन्वय समिति की बैठक के बाद एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए गुरुवार को कहा था कि कोरोना वायरस संबंधित कर्तव्यों को पूरा करने वाले प्रत्येक स्वास्थ्य पेशेवर को पीपीई की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्णय लिया गया है। इसके अलावा पाकिस्तान ने ६ लोगों की मौत की सूचना दी है।

हर दिन १०० मामलों से निपटने को तैयार दिल्ली : केजरीवाल

नई दिल्ली। कोरोनोवायरस महामारी से लड़ने के लिए राष्ट्रीय राजधानी शहर की तैयारी की जानकारी देते हुए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को कहा कि सरकार हर दिन १०० मामलों से निपटने के लिए तैयार है, जबकि वर्तमान में मरीजों की दर एक दिन में चार से पांच हैं। एक डिजिटल प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से उन्होंने कहा कि पांच ड क्टरों की एक टीम गठित की गई है, जो इसकी रिपोर्ट सरकार को सौपेंगी। उन्होंने कहा टीम ने योजना बनाई है और फिलहाल एक रिपोर्ट सौंपी है, जिसमें बताया गया है कि हमारी तैयारी कैसी होगी। तैयारी तीन तरह की होगी–अगर हर दिन में १०० मामले

सामने आते हैं, अगर हर दिन ५०० मामले आते हैं या अगर हर दिन १००० मामले आते हैं। केजरीवाल ने कहा कि अगर हर दिन १०० मामले भी आते हैं तो उसके लिए मौजूदा तैयारी पर्याप्त है। उन्होंने कहा अगर मामले प्रतिदिन के हिसाब से १०० से अधिक आते हैं, तो इसके लिए भी हम तैयारी कर लेंगे, इसकी योजना तैयार है। तैयारियों में वेंटिलेटर, बेड, आईसीयू बेड, परीक्षण करने की क्षमता, एम्बुलेंस और अन्य चीजों की संख्या बढ़ाई गई हैं। उन्होंने कहा कि सरकार रिपोर्ट के सुझावों पर काम कर रही है। उन्होंने कहा हम जल्द ही हर दिन १००० रोगियों से निपटने के लिए तैयार होंगे। हालांकि, मैं भगवान से प्रार्थना करता हूं कि यह स्थिति न आए। लेकिन हमें तैयार रहना होगा।

राजस्थान में कोरोना वायरस के तीन नए मामले

जयपुर। राजस्थान में शुक्रवार को कोरोना वायरस के तीन नए मामले सामने आए, जिससे प्रदेश

में महामारी से संक्रमित लोगों की कुल संख्या ४६ हो गई। नए पॉजिटिव मामले जोधपुर के हैं। अतिरिक्त मुख्य सचिव रोहित कुमार सिंह ने कहा कि इनमें से दो साथ में रहते हैं। यूके से जोध पुर दोनों ने साथ में यात्रा की। उनमें से एक को पहले ही गुरुवार को आई रिपोर्ट में पॉजिटिव पाया गया था। शुक्रवार की सुबह भीलवाड़ा से दो नए मामलों की पुष्टि हुई है। दोनों कोरोना से मरे एक व्यक्ति के करीबी रिश्तेदार हैं जिनकी जांच रिपोर्ट को पॉजिटिव पाया गया था और गुरुवार की शाम को उनकी मृत्यु हो गई।

मालगाड़ियों के जरिए दिल्ली पहुंच रहे जरूरी सामान

नई दिल्ली। रेलवे मालगाड़ियों के जरिए लगातार आवश्यक समानों को गन्तव्य स्थानों पर पहुचा रहा है। आम दिनों की तरह रेलवे दिल्ली डिवीजन में खाद्य और दूसरी जरूरी चीजें पहुचाई जा रही हैं, जो दिल्ली के अलग–अलग रेलवे स्टेशनों पर लगातार उतारे जा रहे हैं। यह जानकारी रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने दी। देश भर में ल कडाउन के दौरान रेलवे के आवश्यक स्टॉफ लगातार काम कर रहे हैं, जिसमें लोको पायलट, स्टेशन मास्टर, कंट्रोलर, गुड्स क्लर्क, मेंनटनेस स्टॉफ शामिल हैं।

इन स्टाफों को रेलवे के विभिन्न विभागों में तैनात किया गया है। ये स्टॉफ पूरी तरह से सरकार की गाइडलाइन्स का पालन कर रहे हैं। ड्यूटी पर तैनात रेलवे के सभी स्ट फ को हैंड सैनिटाइजर, मॉस्क और दस्ताने उपलब्ध कराए गए हैं। दिल्ली डिवीजन के डीआरएम एस. जी. जैन के मुताबिक, कोरोनावायरस के संक्रमण को देखते हुए रेलवे के सभी स्टॉफ आवश्यक सुरक्षा उपायों का पालन कर रहे हैं और पूरी तरह से अपने आपको सुरक्षित रख रहे हैं।

पत्रकार से मारपीट के आरोप में दो पुलिस कर्मचारी निलंबित

इंदौर। मध्यप्रदेश के इंदौर जिले में कर्फ्यू अवधि के दौरान एक पत्रकार से मारपीट करने के आरोप में आज दो पुलिस कर्मचारियों को निलंबित कर दिया गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (पूर्व) राजेश रघुवंशी ने बताया विजय नगर थाना क्षेत्र में एक पत्रकार के साथ मारपीट करने का मामला प्रकाश में आया है। प्रथम ष्टया सामने आए साक्ष्यों के आधार पर एक पुलिस उपनिरीक्षक सहित दो पुलिस कर्मचारियों को निलंबित कर दिया गया है। पत्रकार की शिकायत पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगामी कार्रवाई की जाएगी।

मस्जिदों में जुमे की नमाज अदा नहीं करें : मुस्लिम लॉ बोर्ड

नई दिल्ली। कोरोनावायरस के कारण लॉकडाउन के बीच मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने मुसलमानों से मस्जिदों में जुमे की नमाज अदा नहीं करने की अपील की है। एआईएमपीएलबी ने गुरुवार देर रात ट्वीट किया, "कोरोनावायरस महामारी के कारण मुसलमानों से मस्जिदों के बजाय घर में जुहूर करने की सिफारिश की जाती है। सामूहिक नमाज अदा करने के लिए बाहर नहीं निकलें। घर पर रहें, सुरक्षित रहें। साथी नागरिकों को

नुकसान से बचाने के लिए ऐसा करना जरूरी है। अन्य मुस्लिम निकायों ने भी यही अपील की है। जमात–ए–इस्लामी शरिया ने कहा था कि जुमे की नमाज इमाम, मुएजिन, खदीम और मस्जिद के प्रशासकों द्वारा की जानी चाहिए। आम लोगों को 'जौहर' नमाज घर पर अदा करनी चाहिए। शिया समुदाय के धर्मगुरुओं ने भी अनुयायियों से घर में बने रहने की अपील की है। मुंबई के इमाम मौलाना अशरफ ने कहा, "हमने पिछले सप्ताह से जुमे की नमाज और रोज की नमाज स्थगित कर रखी है। जैसा कि मुख्य उद्देश्य मानव जीवन बचाना और सरकार के निर्देशों का पालन करना है यह व्यवस्था जब तक सरकार चाहेगी तब तक जारी रहेगी। हम लोगों से मस्जिद के लाउडस्पीकर और सोशल मीडिया के जरिए घरों में रहने की अपील कर रहे हैं। कश्मीर के मुफ्ती नसीर– उल– इस्लाम ने कहा कि उन्होंने भी जुमे की नमाज और रोज की नमाज स्थगित करने की अपील की है और इस्लाम ऐसा करने की इजाजत देता है।

जमाकर्ताओं की राशि सभी बैंकों में पूरी तरह सुरक्षित हैं : शक्तिकांता दास

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांता दास ने कोरोना वायरस के वैश्विक स्तर पर बढ़ते संक्रमण से अर्थव्यवस्था में मंदी आने के बीच भारतीय बैंकिंग सिस्टम को सुरक्षित और मजबूत बताते हुये शुक्रवार को कहा कि सभी जमाकर्ताओं की राशि सभी बैंकों में पूरी तरह सुरक्षित हैं। शेयर बाजार में हुये उठापटक से उन्हें घबराने की जरूरत नहीं है। दास ने वीडियो कांफ्रेंसिंग से संवाददाताओं से चर्चा में लोगों से कोरोना वायरस के संक्रमण से बचने के लिए स्वच्छ रहने, सुरक्षित रहने और डिजिटल लेनदेन को अपनाने की अपील करते हुये कहा कि शेयर बाजार में हाल में हुयी भारी बिकवाली के बाद निजी क्षेत्र के कुछ बैंकों से तेज निकासी शुरू हो गयी

थी। उन्होंने कहा कि वे पहले भी कह चुके हैं कि निजी क्षेत्र के बैंक सहित सभी व्यावसायिक बैंकों के जमाकर्ताओं को अपने जमा की सुरक्षा को लेकर चिंता करने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस के कारण बने बहुत ही चुनौतीपूर्ण माहौल के बावजूद भी वह बहुत आशावादी है। भारतीय अर्थव्यवस्था की नींव मजबूत हैं तथा वैश्विक वित्तीय संकट के बाद यह और मजबूत हुआ है। अभी वित्तीय घाटा और चालू खाता घाटा बहुत निचले स्तर पर है। महंगाई की स्थिति भी काबू में है। हाल में शेयर बाजार में आयी तेजी के बाद हुयी बिकवाली से वित्तीय उठापटक देखने को मिला है और रुपया पर दबाव आया है। कोरोना वायरस का संकट है लेकिन यह भी निकल जायेगा। हमें अभी भी सतर्क रहने की जरूरत है।

नोएडा में कोरोना वायरस के ३ नए मरीजों की पुष्टि, संख्या हुई १७

नोएडा। नोएडा शहर में कोरोना वायरस का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। शुक्रवार को शहर में तीन नए मरीजों में कोरोना वायरस की पुष्टि हुई है। इसमें दो महिलाएं भी शामिल हैं। साथ ही अब नोएडा में कोरना वायरस के १७ मरीज हो गए हैं। वही उत्तर प्रदेश में अब कुल ४७ कोरोना वायरस के मरीज सामने आ चुके हैं। कोरोना वायरस के संदिग्ध मरीजों की कुछ रिपोर्ट वीरवार की देर रात लखनऊ की प्रयोगशाला ने स्वास्थ्य विभाग को भेजी थी। इसमें नोएडा के ३ मरीजों की रिपोर्ट में कोरोना वायरस की पुष्टि हुई है। इसमें एक ३३ साल की महिला है। यह कोरोना वायरस के संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने से बीमार हुई थी। इसी तरह दूसरी महिला की उम्र ५४ साल है। यह भी कोरोना वायरस के

संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने से बीमार हुई थी। जबकि तीसरा ३६ वर्षीय युवक है। तीनों मरीजों को स्वास्थ्य विभाग ने ग्रेटर नोएडा स्थित राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान में भर्ती करा दिया है। नोएडा में कोरोना वायरस संक्रमित मरीजों की संख्या १७ पहुंच गई है। गौतम बुध नगर में वीरवार को कोरोना वायरस के १३ मरीज थे। लेकिन पिछले २४ घंटे के भीतर गौतम बुध नगर में कोरोना वायरस के ६ मरीज आने के बाद स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन में हड़कंप मच गया है। कोरोना वायरस के लगातार बढ़ रहे मामलों को देखते हुए जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एक बैठक करने जा रहे हैं। इस बैठक के दौरान गौतम बुध नगर में कोरोना वायरस को लेकर कई अहम फैसले भी लिए जाएंगे ।

शांति भंग की आशंका में १२ व्यक्ति गिरफ्तार

मो० अरशद

मऊ। जनपद के विभिन्न थानों द्वारा देखभाल क्षेत्र व चेकिंग के दौरान शांति भंग की आशका मे थाना चिरैयाकोट पुलिस द्वारा आशुतोष, अभिषेक निवासीगण सोहबत बगदादी, सुभम, तरूण निवासीगण इश्माइल नगर थाना चिरैयाकोट, थाना घोसी पुलिस द्वारा रामप्रसाद, श्याम सुन्दर निवासीगण बड़ागांव, संजय निवासी अहिरानी बुजुर्ग थाना दोहरीघाट, थाना कोतवाली पुलिस द्वारा शैलेष निवासी राजाराम का पुरा थाना कोतवाली, थाना रानीपुर पुलिस द्वारा जोखन, रणधीर, भरत प्रसाद, भूपेन्द्र निवासीगण फतेहपुर थाना रानीपुर मऊ को अन्तर्गत धारा १५१ सीआरपीसी गिरफ्तार कर चालान न्यायालय किया गया।

पुलिस पर चलाई गुलेल, पुलिस ने युवको को किया गिरफ्तार

बनवारी लाल कुशवाहा

शिकोहाबाद। कोरोना वायरस के चलते बाजार पूरी तरह से बंद दिखाई दे रहे हैं। बाजार में जगह जगह पर पुलिस के जवान तैनात हैं। आवारागर्दी करने वालों पर सख्ती भी दिखाई जा रही है। लेकिन जहां बाजार में पूरी तरह से शांति हैं। वही शुक्रवार दोपहर को तहसील तिराहा पर लगी पुलिस ने गिहार कॉलोनी के कुछ युवक सडको पर घूम रहे थे जिसके बाद पुलिस ने उन युवको को घर जाने की सलाह दी लेकिन युवक अपने घर नही गयें जिसके बाद पुलिस उन्न पर लाठी बरसाना शुरू कर दी। जिसके बाद आक्रोशित होकर युवको ने पुलिस पर गुलेल से हमला कर दिया। जिसके बाद पुलिस ने किसी तरह छुप कर अपनी जान बचाई। जिसके बाद थाने मे पुलिस को सूचना कर दी गई । जिसके बाद पुलिस ने गिहार बस्ती मे गुलेल से हमला करने वाले युवको को पुलिस पकडकर थाने ले आई।

पुलिस को मोहल्लो में गस्त की जरूरत

बनवारी लाल कुशवाहा

शिकोहाबाद। मुहल्लों में गलियों में लोग प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के दिशा निर्देशों का पालन नही कर रहे हैं। मुहल्लों में जगह जगह लोग झुंड बनाकर बैठे हुए दिखाई दे रहे हैं। जबकि पुलिस का पूरा फोकस बाजार तक ही सीमित नजर आ रहा है। ऐसे में मुहल्लों में भी पुलिस को गस्त बढाने की जरूरत है। नगर के कई मुहल्लों में लोग घरों से बाहर दोस्तों के साथ घूमते फिसते नजर आ रहे हैं।

प्रेस एसोसिएशन ने पत्रकारों के लिए ५० लाख रुपये की बीमा की मांग की

नई दिल्ली। प्रेस एसोसिएशन ने कोरोना महामारी को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर पत्रकारों के लिए भी ५० लाख रुपये की बीमा की मांग की है। एसोसिएशन ने मोदी से कहा है कि कोरोना की खबर देने के लिए देश के पत्रकार फील्ड से रिपोर्ट भेज रहे है और लोगों से मिलकर जानकारी ग्रहण कर रहे है। इसलिए वह खतरे का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा जिस तरह वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने डॉक्टरों, स्वास्थ्य कर्मचारियों आदि के लिए ५० लाख बीमे की घोषणा की उसी तरह यह सुविधा पत्रकारों को भी मिलना चाहिए। उन्होंने मोदी से अपील की कि सरकार अपनी स्कीम में पत्रकारों को शामिल करें। जिससे पत्रकार निर्भीक होकर अपना काम कर सके। यह संगठन केंद्र सरकार मान्यता प्राप्त पत्रकारों का मंच है।

लॉकडाउन के बीच खुले में नमाज पढने वालों पर चलेगा नोएडा पुलिस का डंडा

नोएडा। भारत में कोरोना वायरस के मामले लगातार बढ़ते जा रहे है। जिसको लेकर देश के प्रधानमंत्री ने संक्रमण से बचने के लिए लॉकडाउन घोषित किया है। अब इसपर गौतमबुद्ध नगर में पुलिस कमिश्नर भी सतर्कता बरतते हुए नजर आ रहे हैं। कोरोना वायरस के खतरे, इसके बचाव के लिए और संपूर्ण भारत में ल कडाउन का पालन कराने के लिए नोएडा पुलिस के लोग और आमजन अलग–अलग इलाकों में जाकर अनाउंसमेंट कर लोगों को जानकारी देकर जागरूक कर रहे हैं। गौतमबुद्ध नगर के मुस्लिम बाहुल्य इलाकों में भी नमाज अदा करने को लेकर जानकारी दी जा रही है, लोगों को अनाउंसमेंट के द्वारा बताया जा रहा है कि अगर वह नमाज पढ़ना चाहते हैं तो एहतियातन अपने घर में ही रहकर पढ़ें। जुम्मे के दिन बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग घरों से बाहर नमाज पढ़ने के लिए निकलते हैं। लेकिन संक्रमण को देखते हुए उन्हें सख्त हिदायत दी गई है कि वह घरों में ही अपनी नमाज अता करें बाहर और सार्वजनिक स्थानों पर ना निकलें. यूपी स्वास्थ्य विभाग ने भी कोरोना वायरस के मरीजों के आंकड़े जारी किए है। जिसमें अब तक ५६२ लोगों में कोरोना जैसे लक्षण पाए जाने की बात सामने आई है। कोरोना प्रभावित देशों से ३७१६६ लोग उत्तर प्रदेश लौटे हैं। यूपी में अब तक ४५ लोगों की जांच पॉजिटिव पाई गई।

कोरोना वायरस लोक डाउन के दौरान किस हाउसिंग सोसायटी में कितने कर्मचारी काम करेंगे डीएम ने तय की संख्या

नोएडा। कोरोना वायरस के कारण चल रहे लोक डाउन के दौरान हर स्तर पर समस्याएं आ रही हैं। जिला प्रशासन, पुलिस और स्वास्थ्य विभाग समस्याओं का समाधान भी निकाल रहे हैं। गौतमबुद्ध नगर के जिलाधिकारी बीएन सिंह ने एक आदेश जारी किया है, जिसमें तय किया गया है कि शहर की किस हाउसिंग सोसाइटी में कितने कर्मचारी काम कर सकते हैं। दरअसल, हाउसिंग सोसाइटीज में बिजली, पानी, प्लंबर और सफाई की व्यवस्थाएं चरमरा रही हैं। ऐसे में रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन और अपार्टमेंट ओनर्स एसोसिएशन की ओर से जिला प्रशासन से अपील की गई थी। जिसके आधार पर यह आदेश जारी किया गया है। आदेश के मुताबिक अब जिन हाउसिंग सोसायटी का कवर्ड एरिया २५,००० वर्ग मीटर तक है, वहां एक मैनेजर और १० कर्मचारी काम करेंगे। इसी तरह ५०,००० वर्ग

मीटर के कवर एरिया वाली हाउसिंग सोसाइटीज में एक मैनेजर और २० कर्मचारियों को काम करने की इजाजत दी जाएगी। आदेश के मुताबिक इन कर्मचारियों में इलेक्ट्रिशियन, प्लंबर और सफाई कर्मचारी ही हो सकते हैं। इनके अलावा बाकी किसी भी पेशेवर को काम पर रखने की इजाजत नहीं दी जाएगी। जिलाधिकारी ने कहा है कि अगर आदेश का उल्लंघन होता पाया गया तो संबंधित सोसाइटी के प्रबंधन पर कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

अद्भुत गाँव : शापित गाँव

अमरेन्द्र सहाय अमर

आमतौर पर दुनियाभर की सरकारों द्वारा बनाए गए खुफिया ठिकानों या फिर किसी ऐसी जगह पर आम लोगों के जाने पर पाबंदी रहती है, जो संवेदनशील रहता है. यानी वहां आतंकियों का भी खतरा हो सकता है या फिर उस इलाके में कुदरत का कहर हो सकता है. लेकिन आज हम आपको एक ऐसी जगह के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां १०० साल पहले तक लोग रहते थे. वहां की आबादी खुशहाल थी. चारो तरफ हरियाली थी . इस क्षेत्र में किसान खेती करते थे . खुशहाल जिन्दगी बिता रहे थे . लेकिन उसके बाद यहां कुछ ऐसी घटना घटी कि अब वहां किसी के भी जाने पर पाबंदी है. यहां तक कि उस इलाके में जानवरों के भी जाने पर रोक लगी हुई है. उस जगह का नाम है जोन रोग्यु जो फ्रांस के उत्तर–पूर्वी इलाके में स्थित है. पिछले १०० सालों से इस इलाके को फ्रांस के बाकी क्षेत्रों से काटकर रखा गया है, ताकि यहां कोई आ न सके. इतना ही नहीं, इस इलाके में जगह – जगह डेंजर जोन यानि खतरनाक जगह के बोर्ड भी लगे हुए हैं, जो यह दर्शाते हैं कि यहां आना मतलब अपनी जान को जोखिम में डालना है. एक तरह से देखा जाय तो इसे शापित गाँव भी कहा जा सकता है. जहाँ कोई भी आ जा नहीं सकता . फ्रांस के इस इलाके को रेड जोन के नाम से भी जाना जाता है. प्रथम विश्व युद्ध से पहले यहां कुल नौ गांव थे, जहां लोग रहा करते थे और खेती करके अपना गुजारा करते थे. लेकिन विश्व युद्ध में यहां इतने गोला–बारूद और बम गिरे कि पूरा का पूरा इलाका ही बर्बाद हो गया. यहां लाशों के ढेर लग गए और भारी मात्रा में केमिकल युक्त युद्ध सामग्री पूरे इलाके में फैल गई. इस इलाके में सिर्फ जमीन ही जहरीली नहीं है बल्कि पानी में भी जानलेवा तत्व मिले हुए हैं. अब चूंकि इस पूरे इलाके की जमीन और यहां मौजूद पानी को साफ करना संभव नहीं था, इसलिए फ्रांस की सरकार ने इसे श्जोन रोगश या 'रेड जोन' घोषित कर दिया और इंसानों से लेकर जानवरों तक के यहां आने पर पाबंदी लगा दी. कुछ लोग इस जगह को भुतहा भी मानते हैं. उनका मानना है कि पहले विश्व युद्ध के दौरान मारे गए लोगों के आत्माएं यहां भटकती रहती हैं. हालांकि उस समय के नौ गांव, जो युद्ध में बर्बाद हो गए, उनमें से दो गांवों का आंशिक रूप से पुनर्निमाण चल रहा है, जबकि बाकी के छह गांव अभी भी वीरान हैं, जहां दूर–दूर तक सन्नाटा पसरा हुआ है. इस जगह को श्नो मैन्स लैंड' भी कहा जाता. साल २००४ में कुछ शोधकर्ताओं ने जोन रोग्यु की मिट्टी और पानी का परीक्षण किया था, जिसमें भारी मात्रा में आर्सेनिक पाया गया. दरअसल, आर्सेनिक एक जहरीला पदार्थ है, जिसकी एक छोटी सी मात्रा ही अगर गलती से भी इंसान के मुंह में चला जाए तो कुछ ही घंटों में उसकी मौत हो सकती है।

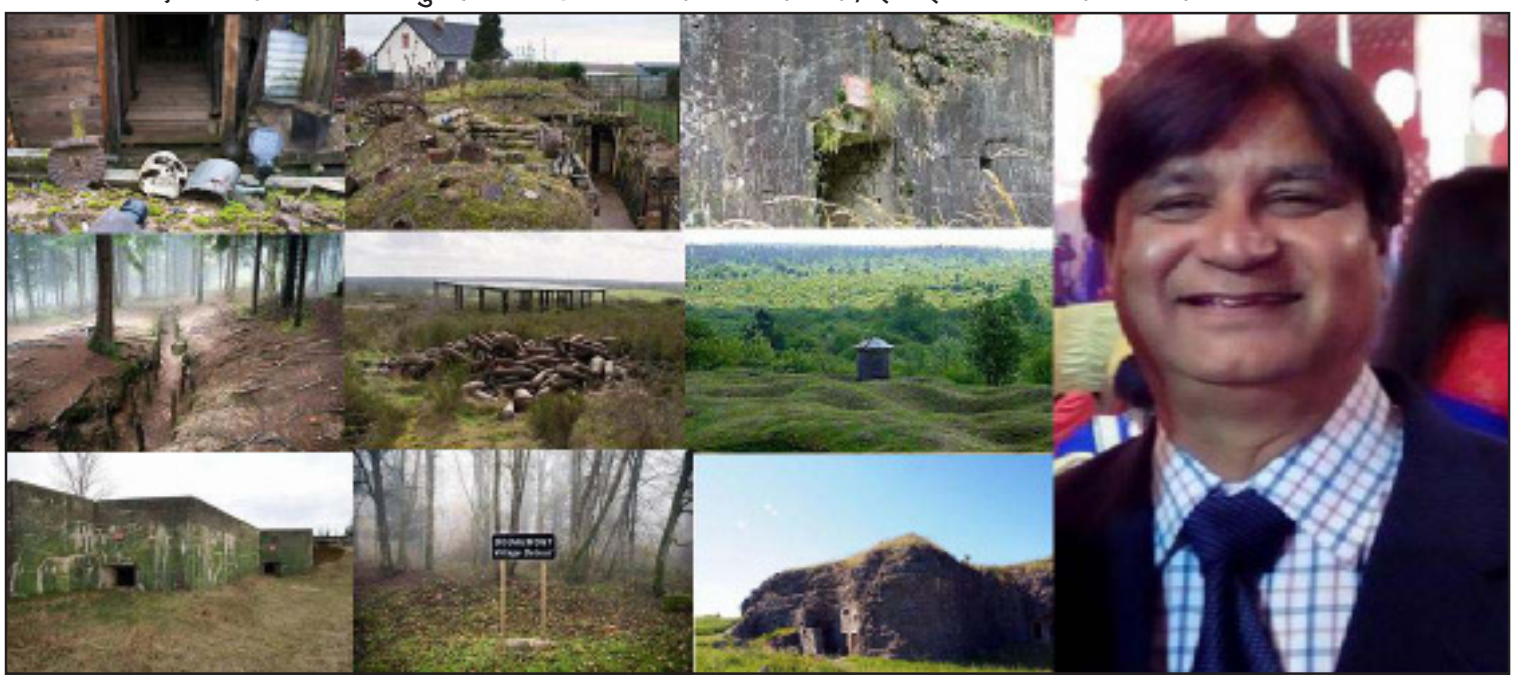

संकट के समय में सेवा का संकल्प, हारेगा कोरोना जीतेगा भारत

भुवनेश सिंघल

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के भजनपुरा स्थित ऑल भजनपुरा रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन व अटल सम्मान समारोह समिति के अध्यक्ष साहित्यकार भुवनेश सिंघल कोरोना वायरस के खतरे के चलते हुए २१ दिन के लोकडाउन से प्रभावित गरीब लोगों की मदद के लिए आगे आये हैं। उन्होंने अपने आस–पास के गरीब लोगों व दिव्यांग लोगों को दस किलो आटा, एक किलो नमक, एक किलो आलू व एक किलो प्याज वितरित कर रहे हैं तथा असहाय लोगों को घर में बनाकर रोटी सब्जी भी वितरित कर रहे हैं। ऐसे लोगो की पहचान करने के लिए भुवनेश सिंघल सोशल डिस्टेन्सिंग बनाते हुए फेसबुक, व्हाट्सएप्प व अन्य सोशल साइट्स के माध्यम से अपने आसपास के गरीब लोगों की जानकारी जुटा रहे हैं जिसका असर भी तेजी से देखने को मिला है और उनके अपने भजनपुरा क्षेत्र के अनेक गरीब लोगों की जानकार उन्हें प्राप्त हुई है जिनकी उन्होनें तत्काल मदद कर दी है। साथ ही उनके इस नेक कार्य से प्रभावित होकर उनकी टीम के कई अन्य लोगों ने इस सेवा कार्य को करने में दिलचस्पी दिखायी है। इसके चलते भुवनेश सिंघल ने संसद भवन में दिए जाने वाले देश के प्रतिष्ठित 'अटल सम्मान' प्राप्त कर चुके देश भर के चुनिंदा लोगों की एक टीम तैयार की है जिसके सदस्यों से उन्होनें अपने आसपास के ऐसे गरीब लोगों की मदद करने के लिए कहा है जो रोज कमाते हैं रोज खाते हैं। भुवनेश सिंघल ने बताया कि आज सम्पूर्ण मानव जाति पर खतरा मंडरा रहा है जिस कारण भारत भी इससे अछूता नही बचा है। इस समस्या से लोगों के जीवन की रक्षा करने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने २१ दिन का सम्पूर्ण लोकडाउन किया है जिसके कारण स्वाभाविक रूप से कुछ परेशानियां भी होंगी जिससे हम सभी देशवासियों को स्वयं निपटने की आदत बनानी होगी और एक दूसरे की मदद के लिए आगे आना होगा क्योंकि लोकडाउन के कारण बाहर निकलने पर पूर्ण प्रतिबंध है इसलिए गरीबों के सामने भोजन की समस्या आ गयी है और कुछ लोग तो ऐसे भी हैं जो बुजुर्ग हैं और अकेले रहते हैं तथा खाना बनाने में भी असमर्थ हैं जो घरेलू सहायिका के भरोसे रहते थे और अब वो घरेलू सहायिकाएं काम पर नही आ पा रही हैं तथा कुछ लोग ऐसे भी हैं जो सड़कों पर भी

सोते थे और बाजार से खाना खाते थे उनके सामने भी खाने की समस्या आ गयी। ऐसे सभी गरीब लोगों को आटा, नमक, आलू और प्याज तथा भोजन पकाने में असमर्थ लोगों को रोटी सब्जी बनाकर भेजने की जिम्मेदारी भुवनेश सिंघल ने अटल सम्मान समारोह के अध्यक्ष होने के नाते पहल करते हुए उन सभी लोगों दी है जो अटल सम्मान से सम्मानित हो चुके हैं। ये सभी लोग पूरे देश मे अपने अपने क्षेत्र के लोगों को हरसंभव सहायता मुहैया कराने में जुट गए हैं। इनमें प्रमुख रूप से नलिनी–कमलिनी नृत्यांगना, गायक कुमार विशु, जिलाध्यक्ष रोशन कंसल, विधायक अजय महावर, डा. यू के चौधरी, डा बृजेन्द्र सिंह, समाजसेवी नवीन तायल, नीरज गुप्ता, मनोज गर्ग, गिरीश मित्तल, त्रिलोचन चौधरी, एंकर संतोष टंडन व साहित्यकार पण्डित सुरेश नीरव आदि लोग हैं। साथ ही इस सेवा कार्य में गरीबों की सहायता के लिए अ ल भजनपुरा वैलफेयर एसोसिएशन के सदस्य अमर झा व विपिन कुमार तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नगर कार्यवाह रूपेश गुप्ता, मण्डल कार्यवाह अभिसार सहगल व शाखा टोली के वैभव आदि भी कर रहे हैं। वहीं इस अवसर पर भुवनेश सिंघल ने उनके सामने आ रही समस्याओं का जिक्र करते हुए बताया कि उनके सामने कुछ समस्याएं भी आ रही हैं जिसमें उनके पास कोरोना से बचने के सीमित साधनों का होना तथा घर से बाहर निकलकर मदद करने के लिए सरकारी परमिशन का न होना एक बड़ी समस्या है। हांलाकि परमिशन डीसीपी कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है मगर वहां अत्यधिक भीड़ होने के कारण वहां इतना समय देना व सोशल डिस्टेंसिंग न बना पाने का भय परमिशन लेने में मुश्किल पैदा कर रहा है। साथ ही वहां तक जाने के लिए भी घर से बाहर निकलने में हो रही मुश्किल उनकी समस्या को बढ़ा रही है। इसके बावजूद भी उन्होने कहा कि उनके हौंसले बुलंद हैं और वो जब तक उनके पास सामर्थ्य अनुसार धन है वो मदद करते रहेंगे।

कुल १३ व्यक्तियों के विरुद्ध १३ अभियोग पंजीकृत

मो० अरशद, मऊ। २१ दिवसीय लॉक डाउन के तीसरे दिन जनपद के समस्त ५५ बैरियर प्वाइंट पर चल रहे चेकिंग के दौरान कुल १३ व्यक्तियों के विरुद्ध १३ अभियोग पंजीकृत किया गया तथा २८२६ वाहनों को चेक किया गया जिसमें २०८ वाहनों का चालान, ३४ वाहन सीज एवं १५ हजार ३०० रुपये शमन शुल्क वसूले गये। साथ ही साथ कुल २५ आकस्मिक सेवाओं के वाहनों को परमिट किया गया।

02 वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

मो० अरशद, मऊ। थाना मधुबन पुलिस देखभाल क्षेत्र व चेकिंग के दौरान मु०अ०सं० १६०/२० धारा ४६८ए,३०४बी,३२३ भादवि० व ३/४ डी०पी० एक्ट में वांछित अभियुक्तगण कैलाश यादव पुत्र स्व० श्यामदेव, विमली देवी पत्नी स्व० श्यामदेव निवासीगण बनकटा थाना मधुबन मऊ को गिरफ्तार कर चालान न्यायालय किया गया।

एसएसपी व पुलिसकर्मियों ने दिये गरीब, असहायों को भोजन के पैकेट

भोजन पाकर आयी चेहरे पर मुस्कान

बनवारी लाल कुशवाहा

फिरोजाबाद। जनपद पुलिस कोरोना वायरस की इस महामारी के कारण अन्य प्रान्तों से पैदल पैदल चलकर घर जा रहे लोगों व

असहाय, गरीब लोगों के लिये मददगार बनी हुई है। स्वयं एसएसपी व उनकी टीम के साथ यातायात पुलिस के जवानों ने इन लोगों को खाने के पैकेट दिये तो इनके चेहरे पर मुस्कान आ गयी। पुलिस का यह मानवीय कार्य लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। कोरोना वायरस के कारण पूरे देश में लॉकडाउन है। ट्रेन, बस के साथ अन्य वाहनों पूरी तरह से प्रतिबंधित है। बाजार पूरी तरह से बंद है। ऐसे में हरियाणा, दिल्ली, पंजाव, नोएड़ा आदि में रहकर रोजी रोटी कमाने वाले लोग अब पैदल–पैदल अपने घरों की ओर निकल पड़े है। इन लोगों का यह दर्द है कि इन लोगों को रास्ते में पुलिस भी परेशान कर रही है। लेकिन शुक्रवार को जनपद पुलिस का मानवीय चेहरा सामने आया। स्वयं बरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सचिन्द्र पटेल व पुलिस के जवानों ने सड़क किनारे खड़े होकर अपने अपने घरों को जा रहे लोगों को खाने के पैकेट दिये। जिससे उनके चेहरे पर मुस्कान आ गयी। इसके साथ ही नगर के रामलीला स्थित हनुमान मंदिर आदि स्थानों पर गरीब, असहाय लोगों को खाने के पैकेट वांटे। पुलिस के इस कार्य की सभी ने सराहना की है। लोगों का कहना था कि पुलिस का यह कार्य सराहनीय है। उल्लेखनीय है कि लॉकडाउन के बाद वाहनों के बंद होने से वाहर फंसे लोगों के घर लौटने का क्रम अभी भी जारी है। परिवार के परिवार पैदल ही घर जाने को विवश है। जिनमें बच्चे भी शामिल है। यह परिवार मैनपुरी, इटावा, करहल, आदि क्षेत्रों के है।

ताश के पत्ते खेलने पर युवक पर किया प्रहार, अस्पताल में भर्ती

शिकोहाबाद . थाना क्षेत्र नगला खंगर के अंतर्गत गांव पापड़ी में

दोपहर के समय एक गांव के युवक ने एक युवक पर हमला कर दिया। जिससे युवक घायल हो गया। जिसे अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है। अनूप प्रताप सिंह पुत्र श्यामसुंदर निवासी गांव पापड़ी थाना नगला खंगर के घर के पास गांव का ही एक युवक ताश पत्ते खेल रहा था। जिस पर कोरोना वायरस के चलते अनूप ने युवक को पत्ते खेलने से मना किया। तभी ताश खेल रहे युवक ने अपने साथियों के साथ तलवार से अनूप पर हमला कर दिया। जिससे उसका कान और सिर में चोटे आई। वहीं युवक के हाथ पर तलवार से प्रहार किया। जिससे उसकी हाथ की नस कट गई। जिससे परिजन आनन.फानन में अनूप को लेकर जिला संयुक्त चिकित्सालय लेकर आए। जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद फिरोजाबाद रेफर कर दिया।

हजारों लोगों के पास नहीं है रोटी की व्यवस्था

कृष्ण कुमार शुक्ला

मितौली खीरी। कोरोना कोविड १६ महामारी से बचने के लिए जनपद खीरी में किए जा रहे लाक डाउन में हजारों ऐसे लोग गांव में निवास कर रहे हैं जिनके पास दो रोटी की व्यवस्था तक नहीं है। इसी क्रम में विकास खंड मितौली की ग्राम पंचायत ओदरहा के मजरा कुंवरपुर थाना मैगलगंज के निवासी लालता प्रसाद जिनके पास एक समय की रोटी खाने की तक की व्यवस्था नहीं है, ग्रामीणों के सहयोग से इनको रोटी पानी की व्यवस्था कराई जा रही है। प्रशासन द्वारा इनकी कोई खोज खबर अब तक नहीं ली गई है। ग्राम प्रधान व कोटेदार द्वारा अब तक कोई व्यवस्था नहीं की गई है। इस समय कोरोना लॉक डाउन को लेकर कोटेदार रेनू देवी ने भी भुक्तभोगी को डांट फटकार कर गाली गलौज कर भगा दिया गया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा प्रत्येक गरीब व्यक्ति को खाने की व्यवस्था किए जाने के निर्देश जारी किए जाने के बावजूद लालता प्रसाद जैसे हजारों गरीबों को लाक डाउन में खाना नसीब नहीं हो पा रहा है। कुछ समाजसेवी व्यक्तियों द्वारा इस क्षेत्र में व्यवस्था कराई जा रही है किंतु जिनको कोई जान ही नहीं पा रहा है उनकी व्यवस्था भगवान भरोसे ही है शासन के निर्देशों के तहत प्रशासन द्वारा अब तक उन गरीबों की सूची नहीं बनाई गई है जिनके पास न तो राशन कार्ड है तथा न ही आधार कार्ड जबकि प्रदेश के मुखिया द्वारा स्पष्ट रूप से जिलाधिकारी के माध्यम से गरीबों को ३ माह का राशन उपलब्ध कराए जाने के निर्देश दिए गए हैं साथ ही उन गरीबों को भी ३ माह का राशन मुफ्त दिए जाने के निर्देश प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए हैं जिनके पास राशन कार्ड व आधार भी नहीं उपलब्ध हैं विडंबना ही कहा जाए की ल क डाउन के पांचवें दिन भी गरीबों की खाने की व्यवस्था के लिए कोई भी प्रबंध स्थानीय प्रशासन द्वारा नहीं किया गया है गरीब भुखमरी के कगार पर पहुंच चुके हैं।

लॉकडाउन में घर पर ही पढ़ी जुमे की नमाज

बनवारी लाल कुशवाहा

शिकोहाबाद। लॉकडाउन में लोगों ने जुमे की नमाज अपने घरों में ही पढ़ी। जामा मस्जिद

समेत नगर मे कई मस्जिदों में जुमे की नमाज नही हुई। मस्जिदों पर ताले लटके रहे। लॉक डाउन को लेकर प्रशासन ने धर्मिक स्थलों पर जाने के लिए प्रतिबंध लगा दिया था। इसके साथ ही उल्लंघन करने वालों के खिलाफ करवाई की बात कही थी। शुक्रवार को लोगों ने जुमे की नमाज मस्जिदों में नही अपने घरों में पढ़ी। मस्जिदो में इमाम नही गए और मस्जिदों के गेट पर ताले लटके रहे। सराय वाली मस्जिद के मौलाना हवीव अशरफ ने सभी मुसलमानों से कहा है कि जुमे की नमाज मस्जिदों में अदा करने के बजाय घर पर जोहर की नमाज पढ़ने की अपील की। साथ ही कहा है कि ग्रुप बनाकर इबादत (प्रार्थना) न करें और न ही घर से बाहर निकलें, अपने–अपने घरों में रहें। कोरोना वायरस से बचने के लिए यह जरूरी है। कोरोना वायरस के लिए किए लॉकडाउन के सलाह का पूरी तरह से पालन करें।

आईटीवीपी के जवान को पडा अटैक, मौत

बनवारी लाल कुशवाहा

फिरोजाबाद। थाना जसराना क्षेत्र के गांव खड़ीत मिलावली में आज आई० टी० बी० पी० में तैनात सिपाही को बच्चों को नहाते समय अटैक पड़ने से मौत हो गयी। जिससे परिजनों में हड़कम्प मच गया। खड़ीत मिलावली निवासी अनिल कुमार पुत्र रामवीर सिंह आइटीबीपी मे सिपाही पद पर तैनात था। ८ दिन पूर्व अपने घर छुट्टी पर आया था। शुक्रवार को वह अपने घर पर ही बच्चों को नहला रहा था। तभी अचानक उसके सीने मे दर्द हुआ उसे पाढम के चिकित्सक के पास ले जाया गया। जहां से उसे फिरोजाबाद अस्पताल लाया जा रहा था। तभी उसने दम तोड़ दिया। जवान के शव को पोस्टमार्टम के लिये जिला अस्पताल लाने की तैयारी की जा रही है।

पूरे बॉर्डर पर छाया सुनसान सन्नाटा

कृष्ण कुमार शुक्ला

पलियाकलां (खीरी)। गौरीफंटा जहां हजारों की भीड़ दिन भर आती और जाती थी वहां सब सुनसान हो गया सभी प्रकार के वाहन आना जाना बंद हो गए पैदल भी लोग न आ रहे हैं न जा रहे हैं केवल इमरजेंसी एंबुलेंस तथा आवश्यक खाद्य सामग्री रसद के वाहन दोनों क्रास चेकिंग के बाद इक्का–दुक्का आते–जाते जाते हैं बाकी पूरा बॉर्डर सुनसान पड़ा है ऐसे हालात कभी नहीं थे। गौरीफंटा में अब केवल सड़क पर पूरी तरह सन्नाटा छाया हुआ है। शाम करीब ४ बजे स्वास्थ्य विभाग के एकमात्र फार्मासिस्ट अवधेश गुप्ता जो प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गौरीफंटा में तैनात है वही कोरोनावायरस चेकिंग प्वाइंट पर बैठे दिखाई दिए स्वास्थ्य विभाग का वहां कोई कर्मचारी डॉक्टर उपस्थित नहीं मिला। नेपाल में सीमा पर कोरोना चेकिंग के लिए भारत की सीमा में दाखिल होने वाले अपने नागरिकों की बेहतर जांच करने हेतु इमरजेंसी कैंप जिसमें सभी आवश्यक सुविधाएं चाहिए वह लगा रखा है भारत की ओर से ऐसा कुछ देखने को नहीं मिला सरकार भले ही अपनी कितनी भी पीठ थपथपा रही हो कोरो ना को लेकर लेकिन लखीमपुर का स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह से बेफिक्रे है कई बार यह तथ्य समाचार पत्र भी उजागर कर चुके हैं लेकिन स्थानीय स्वास्थ्य विभाग पर कोई फर्क नहीं पड़ा।

बैंक के सामने से साइकिल चोरी

गोला गोकरननाथ–खीरी। नगर के लखनऊ क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक में एक किसान बैंक से पैसा निकालने गया बाहर खड़ी साइकिल चोरी हो गई। गौरतलब हो कि गोला नगर की इलाहाबाद यूपी ग्रामीण बैंक में छत्रपाल पुत्र मंसाराम निवासी ग्राम प्रसाद पुर आज बैंक से पैसा निकालने आए थे जब बैंक के बाहर अपनी खड़ी साइकिल देखें तो गायब थी तलाश करने पर भी नहीं मिली बताया की चोरी हो गई एक इधर लाफ डाउन करुणा वायरस की वजह से सरकार द्वारा चल रहा है दूसरी तरफ लोग चोरी से भी नहीं चूक रहे हैं जबकि चंद कदम दूर थाना कोतवाली गोला है और लेखक बैंक गया हुआ था इसे छत्रपाल ने बताया मेरी साइकिल चोरी हो गई है अब हम गांव किस तरीके से जाएंगे जबकि वाहन कि कोई व्यवस्था नहीं है छत्रपाल किसी तरीके से पैदल अपने गांव गए।

मजदूरों की घर वापसी उत्तर प्रदेश के झांसी प्रशासन के लिए चुनौतियां

अद्भुत समाचार नेटवर्क

झांसी। रोजी रोटी की तलाश में अन्य प्रदेशों को गये मजदूरों की घर वापसी ने उत्तर प्रदेश के झांसी प्रशासन के लिए चुनौतियां पेश कर रही है । कोरोना वायरस के कारण देशव्यापी ल कडाउन के बीच बड़े बडे शहरों में मजदूरों और कामगारों के सामने रोजगार और जीवनयापन का संकट उठने के बाद बड़े पैमाने पर ऐसे लोगों का घर वापसी अभियान शुरू हो गया है। पैदल ही अपने घरों को लौट रहे ऐसे लोग बड़ी संख्या में उत्तर प्रदेश के झांसी जिले से गुजरते हुए। अपने गंतव्य की ओर बढ़ रहे हैं। ऐसे लोगों की मदद के लिए प्रशासन आगे आया है और सभी को बसों से उनके घरों की ओर भेजा जा रहा है। बड़ी संख्या में दिल्ली ,ग्वालियर,आगरा ,भोपाल और दूसरे बड़े शहरों से वाहन न मिलने के कारण पैदल ही झांसी होते हुए अपने गंतव्य की ओर पैदल की जा रहे हैं । लगभग ७८ लोग शुक्रवार की सुबह झांसी और मध्यप्रदेश की सीमा पर लगे चकरपुर में देखे गये जो अपने गंतव्य बांदा, हमीरपुर, टीकमगढ आदि की ओर जा रहे थे। प्रशासन को जैसे ही इनके बारे में सूचना मिली तुरंत इन लोगों को रोककर थर्मल स्कैनिंग करायी गयी और उसके बाद रोडवेज की बसों को लगाकर सभी को अपने अपने गंतव्य की ओर रवाना कर दिया गया। जिलाधिकारी आंद्रा वामसी ने बताया कि तकरीबन ७८ लोगों की थर्मल स्कैनिंग की गयी और इनके लंबे सफर को देखते हुए आगे गंतव्य तक की यात्रा आसान करने के लिए बसों को लगाया गया है ताकि यह सभी अपने अपने घरों पर सुविधा से पहुंच सकें। उन्होंने यह भी साफ किया कि प्रशासन इन लोगों के कारण जिले में कोरोना प्रसार की आशंका को शून्य प्रतिशत पर रखने की अपनी जिम्मेदारी को मुस्तैदी से निभाते हुए गरीबों के प्रति भी अपने दायित्व का पालन करने की कोशिश में लगा है। लोग जो हमारे जिले से गुजर रहे हैं ,ज्यादातर बाईपास के रास्तों पर ही रोक लिए जा रहे हैं ,उनकी जांच की जा रही है और बाहर से बाहर ही बसों मे बैठाकर उन्हें घरों की ओर रवाना किया जा रहा है। ऐसे में इन लोगों से जिले में कोरोना के प्रसार को बढ़ने की कोई आशंका नहीं है क्योंकि यह न तो शहर में किसी से मिल रहे हैं और नही यहां रूक रहे हैं। यह लोग तो केवल झांसी के रास्ते आगे जा रहे हैं । इनका सफर आसान करने के लिए प्रशासन जो संभव मदद कर सकता है वह मुहैया करायी जा रही है। अभी इन लोगों को बसों से उनके गंतव्य की ओर रवाना ही किया गया था कि इसी बीच लगभग १०० से अधिक लोग ग्वालियर रोड से दिल्ली, ग्वालियर, आगरा से झांसी की ओर चले आये। इन लोगों ने बताया कि ये फैक्ट्री, कारखानों और दिहाड़ी मजदूरी आदि का काम करते थे लेकिन लॉकडाउन के कारण न तो काम मिल रहा और न ही खाने पीने की व्यवस्था हो रही । ऐसे में परिवार के साथ घर वापसी के अलावा उनके पास कोई और चारा नही था। घर के लिए निकले तो कोई साधन नहीं मिला। कोई चारा न देख बच्चों को कंधे पर लेकर पैदल ही यह लोग भूखे प्यासे अपने घरों की ओर चल दिये। मार्ग में कहीं कही पुलिस और समाजसेवियों की मदद से कभी वाहन तो कभी भोजन मिला और जहां ऐसी मदद नहीं मिल पायी वहां रास्ता पैदल ही तय किया। ऐसे लोगों के झांसी पहुंचने के दौरान भूखे प्यासे इन लोगों को कई समाजसेवियों ने भोजन कराया और प्रशासन ने पूरी जांच के बाद बसों से अपने अपने गंतव्य की ओर रवाना किया।

लॉकडाउन के चलते उत्तर प्रदेश समेत समूचे देश में बिजली की मांग में भारी कमी

अद्भुत समाचार नेटवर्क

लखनऊ। कोरोना वायरस के प्रकोप के कारण लाक डाउन के चलते उत्तर प्रदेश समेत समूचे देश में बिजली की मांग में भारी कमी आने से पावर सेक्टर को जबरदस्त झटका लगा है। ऑल इण्डिया पावर इंजीनियर्स फेडरेशन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र भेजकर मांग की है कि विद्युत वितरण कंपनियों द्वारा निजी घरानों को एलसी से किये जा रहे भुगतान को महामारी का संकट और ल क डाउन रहते आस्थगित (डेफर) कर दिया जाए साथ ही फेडरेशन ने पावर सेक्टर को बचाने के किये कर्ज और ब्याज के पुनर्भुगतान को डेफर करने और उस पर सब्सिडी देने की मांग की है। फेडरेशन के अनुसार बिजली की मांग में आई कमी के कारण अकेले उप्र में ही प्रतिदिन ३० करोड़ रु से अधिक की क्षति हो रही है द्य फेडरेशन के चेयरमैन शैलेन्द्र दुबे ने प्रधानमंत्री को प्रेषित पत्र में कहा है कि लॉक डाउन के चलते उत्पन्न चुनौतियों का सामना करने हेतु पावर सेक्टर की बड़ी भूमिका है और बिजली उत्पादन , पारेषण और वितरण को सुचारु बनाये रखने के लिये बिजली कर्मचारी और

इंजीनियर रात दिन कार्यरत हैं। दुबे ने कहा कि बिजली वितरण कंपनियों को बिजली खरीदने के लिये निजी बिजली उत्पादकों के लिए बैंक में लेटर ऑफ क्रेडिट (एल सी) खोलनी पड़ती है जो एक प्रकार से एडवांस भुगतान है अतः कम से कम अगले तीन माह तक वितरण कंपनियों को एल सी खोलने से छूट दे देनी चाहिए। उन्होने कहा कि रेलवे ,उद्योग और व्यावसायिक संस्थान और बाजार बंद होने से बिजली राजस्व को जबरदस्त झटका लगा है। वहीं आम उपभोक्ता भी बिजली बिल अदा करने की स्थिति में नहीं है। दूसरी ओर उत्पादन और वितरण कंपनियों को अपनी दिन प्रतिदिन की देनदारियों का भुगतान करना पड रहा है। दुबे ने बताया कि लॉक डाउन के पहले देश में बिजली की मांग १५४०४५ मेगावाट थी जो अब घटकर १२१६३७ मेगावाट रह गई है। उत्तरी ग्रिड में बिजली की मांग ४१२५३ मेगावाट से घटकर ३०५६३ मेगावाट रह गई है और उत्तर प्रदेश में औसत मांग १४००० मेगावाट से घटकर १००००० मेगावाट हो गई है। प्रतिदिन बिजली खपत में भी बंदी के चलते भारी गिरावट आई है। उत्तर प्रदेश में प्रतिदिन खपत २८८० लाख यूनिट से घटकर २४०० लाख यूनिट रह गई है द्य देशभर में प्रतिदिन बिजली खपत ३५६५० लाख यूनिट से घटकर २६७५० लाख यूनिट और उत्तरी ग्रिड में ८६६० लाख यूनिट से घटकर ६६५० यूनिट आ गई है। बिजली खपत घटने से अकेले उप्र में ही ३० करोड़ रु प्रतिदिन से अधिक का नुक्सान हो रहा है जो २१ दिन में ६५० करोड़ रु से अधिक का हो जाएगा। पत्र में फेडरेशन ने मांग की है कि बिजली उत्पादन को सतत बनाये रखने के लिये कोयले की निर्बाध आपूर्ति कोल इण्डिया लि और भारतीय रेल को निर्देशित किया जाए जिससे कोयले के अभाव में बिजलीघर बंद न होने पाएं। विद्युत् वितरण कंपनियों पर आये वित्तीय संकट को देखते हुए फेडरेशन ने कहा है कि रिजर्व बैंक अन्य बैंको को निर्देशित करे कि संकट के रहते कर्ज व् ब्याज के भुगतान से बिजली कंपनियों को छूट दी जाए। साथ ही केंद्र सरकार पावर फाइनेंस कंपनी और आर ई सी को निर्देशित करे कि वे बिजली कंपनियों को जरूरत के अनुसार वित्तीय मदद मुहैय्या कराएं।

रामायण का फिर होगा प्रसारण

नई दिल्ली। आखिरकार सरकार ने वह फैसला कर ही लिया, जिसकी पिछले दो दिनों से जबदस्त मांग की जा रही थी। 'केंद्रीय सूचना तथा प्रसारण मंत्रालय' के मुताबिक, ष्रामानंद सागर की रामायणष का एक बार फिर प्रसारण किया जाएगा। 'केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर' ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा, 'पब्लिक की डिमांड' पर यह ऐलान करते हुए हमें बेहद खुशी हो रही है कि कल यानी शनिवार से रामायण का प्रसारण किया जाएगा। 'डीडी नेशनल' पर एक 'एपिसोड सुबह ६ से १० तो दूसरा रात में ६ से १० बजे तक' दिखाया जाएगा। कोरोना वायरस के खिलाफ जंग में जो लोग घर में कैद हैं, उनके लिए किसी खुशखबर से कम नहीं है। ३३ साल पहले हुआ था रामायण का प्रसारण' रामायण सीरियल का निर्माण, लेखन और निर्देशन 'रामानन्द सागर' ने किया था। कुल '७८ कड़ियों' के यह धारावाहिक बना था, जिसका प्रसारण दूरदर्शन पर किया गया था। 'पहला धारावाहिक २५ जनवरी १९८७' को हुआ था और 'आखिरी ३१ जुलाई १९८८' को। हर रविवार 'सुबह ६.३० बजे' इसका प्रसारण किया जाता था। हर गांव, हर शहर में तब कर्फ्यू जैसा माहौल होता था। तब लोग अपने 'टीवी'

पर माला पहना देते थे। लोगों का विश्वास था कि ईश्वर साक्षात उनके घर आ गए हैं। किसने किसकी भूमिका निभाई थी' अरुण गोविल– श्रीराम, दीपिका– सीता, सुनील लहरी–लक्ष्मण, संजय जोग–भरत, समीर राजदा–शत्रुघ्न, दारा सिंह– हनुमान, बाल धुरीरू दशरथ, जयश्री गडकर–कौशल्या, रजनीबाला–सुमित्र' नई पीढ़ी' को छोड़ दें तो पिछली दो पीढ़ीयों का रामायण के इन एपिसोड से गहरा नाता है। आज जो लोग माता–पिता बन चुके हैं, उन्हें अच्छी तरह याद होगा कि जब वे छोटे थे जब त्ंउंलंद का प्रसारण हुआ था। तब क्रेज इतना था कि 'सड़कों पर सन्नाटा' हो जाता था। ठीक वैसे ही जैसा आज नजर आता है।

हमारे अन्य प्रतिनिधि
lat; cktisbZ
lhrkiqj
eks-9935160370
प्रियंका त्रिपाठी
नई दिल्ली
विधिक सलाहकार
lqjs'k ukjk;.k feJ
क्षेत्रीय सम्पादक
lkjHk dqekj] fcgkj
eks-09386075289
मो० अरशद
C;wjks phQ
eÅ

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
आर.एन.आई
UPHIN/2010/32566

सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.9415087228
9889745884. 9807059191. 9026560178
Email-
adbhutsamachar @yahoo.in
adbhut_samachar @rediffmail.com

सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक